Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
Maharaja College, Ara

Clinical Psychology (नैदानिक मनोविज्ञान)

परिभाषा:

नैदानिक मनोविज्ञान मनोविज्ञान की वह शाखा है जो व्यक्ति के मानसिक, भावनात्मक और व्यवहारिक विकारों के मूल्यांकन (Assessment), निदान (Diagnosis), उपचार (Treatment) और रोकथाम (Prevention) से संबंधित होती है।

यह व्यक्ति की मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को समझने और उन्हें दूर करने के लिए वैज्ञानिक तरीकों का प्रयोग करती है।

मुख्य उद्देश्य:

1. मानसिक विकारों की पहचान और निदान करना।
2. उपयुक्त चिकित्सीय विधियों (Therapies) द्वारा उपचार करना।
3. व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को सुधारना।
4. तनाव, चिंता, अवसाद आदि को कम करना।
5. व्यक्तियों को उनके जीवन में बेहतर समायोजन (Adjustment) करने में सहायता देना।

कार्य क्षेत्र:

- हॉस्पिटल और क्लिनिक: मानसिक रोगियों का इलाज।
- शैक्षणिक संस्थान: छात्रों को परामर्श देना।
- पुनर्वास केंद्र: नशा मुक्ति और पुनर्वास कार्य।
- संगठन: कर्मचारियों को तनाव प्रबंधन में सहायता देना।

Edit with WPS Office

प्रमुख तकनीकें (Techniques):

1. Psychotherapy (मनोचिकित्सा) – जैसे Cognitive Behaviour Therapy (CBT), Psychoanalysis, आदि।

2. Counseling (परामर्श) – भावनात्मक या सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए।

3. Psychological Testing (मनोवैज्ञानिक परीक्षण) – जैसे Intelligence test, Personality test आदि।

4. Behavior Modification (व्यवहार संशोधन) – गलत व्यवहार को बदलना।

Clinical Psychologist की भूमिका:

- मानसिक विकारों का निदान करना।
- व्यक्ति की भावनात्मक और व्यवहारिक समस्याओं का समाधान करना।
- उपचार योजनाएँ बनाना।
- मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के परिणामों की व्याख्या करना।

Abnormal Psychology (असामान्य मनोविज्ञान)

परिभाषा:

असामान्य मनोविज्ञान मनोविज्ञान की वह शाखा है जो असामान्य व्यवहार (Abnormal Behaviour), मानसिक विकारों, और उनके कारणों, लक्षणों तथा प्रकारों का अध्ययन करती है।

मुख्य उद्देश्य:

1. यह समझना कि कौन-सा व्यवहार "सामान्य" है और कौन "असामान्य"।

2. असामान्य व्यवहारों के प्रकार, कारण, और प्रभावों का विश्लेषण करना।

3. मानसिक विकारों का वर्गीकरण करना (जैसे — Depression, Anxiety, Schizophrenia आदि)।

4. असामान्य व्यवहार के जैविक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कारणों का अध्ययन करना।

Edit with WPS Office

कार्य क्षेत्र:

मानसिक विकारों का अध्ययन और अनुसंधान।

व्यवहारों के सैद्धांतिक मॉडल बनाना।

मानसिक विकारों की व्याख्या और वर्गीकरण।

प्रमुख दृष्टिकोण (Approaches):

1. Biological Approach – मस्तिष्क और रासायनिक असंतुलन को कारण मानता है।
2. Psychodynamic Approach – अवचेतन मन के संघर्ष को कारण मानता है।
3. Behavioural Approach – सीखे गए गलत व्यवहारों को कारण मानता है।
4. Cognitive Approach – गलत सोच और विचार पैटर्न को कारण मानता है।
5. Sociocultural Approach – समाज और संस्कृति के प्रभाव को कारण मानता है।

Psychology और Abnormal Psychology में अंतर

- अर्थ यह मानसिक विकारों का निदान, उपचार और रोकथाम करती है।
  यह असामान्य व्यवहारों और मानसिक विकारों का अध्ययन करती है।

- उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करना।
  असामान्य व्यवहार को समझना।

- प्रकृति व्यावहारिक (Applied) क्षेत्र।
  सैद्धांतिक (Theoretical) क्षेत्र।

- मुख्य कार्य. उपचार, परामर्श, पुनर्वास आदि।
  वर्गीकरण, कारण, और लक्षणों का अध्ययन।

Edit with WPS Office

- उपयोग क्षेत्र अस्पताल, क्लिनिक, विद्यालय आदि।

  शोध, शिक्षा और अध्ययन क्षेत्र।

- उदाहरण. किसी व्यक्ति के अवसाद या चिंता का इलाज करना।

  अवसाद या चिंता के कारणों का अध्ययन करना।

- मुख्य लक्ष्य उपचार और सुधार।

  समझ और विश्लेषण।

- संबंध यह Abnormal Psychology के सिद्धांतों को उपचार में उपयोग करती है।

  यह Clinical Psychology के लिए सैद्धांतिक आधार प्रदान करती है।

संक्षेप में:

Abnormal Psychology यह बताती है कि असामान्य व्यवहार क्या है और क्यों होता है।

Clinical Psychology यह बताती है कि उस असामान्य व्यवहार का इलाज और प्रबंधन कैसे किया जाए।

Edit with WPS Office